ज्ञान बरसात से हरियाली लानी
धारणा कर फिर धारणा करानी
चुस्त बादल सदा बरसते
दूसरों को भी धारणा कराते
सुस्त बादल नही बरसते
वो फिर प्रजा में चले जाते
 आत्मा समझ बिन्दू बाप को याद करना ही यथार्थ याद
स्वच्छ बुद्धि बन सर्व गुण करने धारण
बाप सामान सरेन्डर होना
एम् आब्जेक्ट का चित्र साथ में रखना
विशेषता देखनी और उसे कार्य में लगाना
ग्लानि करने वालो को टेका नही देना
शुभचिंतक बन उनका रूप बदलना
श्रेष्ठ खज़ाना ही श्रेष्ठ प्रालब्ध
ब्राह्मण जीवन का यही आधार

ॐ शांति!!!
मेरा बाबा!!!